पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान, मथुरा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

महिला अध्ययन केन्दों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण हेतु कार्यक्रम चलायें

विश्वविद्यालय अपने परिसर के आस–पास के गांवो के आंगनबाड़ी केन्द्रो को सुविधा सम्पन्न बनाये

नियुक्ति हेतु निर्धारित मापदण्ड़ो का अक्षरशः पालन किया जाये

महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु विश्वविद्यालय छात्राओं को तैयार करें– श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 22 जून, 2021

विश्वविद्यालय अपने महिला अध्ययन केन्दों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण हेतु चला रहे कृषि एवं पशुपालन के कार्यक्रमों के साथ ग्रामीण विकास के अन्य कार्यक्रमों को भी संचालित करें। जिसमें ग्रामीण महिलाओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा नव निर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को जोड़कर उन्हें केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं कार्यक्रमों की भी जानकारी दें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान, मथुरा के कुलपतियों के साथ की गयी समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि महिला ग्राम प्रधानों को विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण देने से उनके अंदर आत्मविश्वास जगेगा तथा योजनाओं की जानकारी होने से वे अपनी ग्राम पंचायत में उनके लाभ जरूरत मंदो को दे सकेंगी।

कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने परिसर के आस–पास के गांवो को गोद लेकर उसमें आंगनबाड़ी केन्द्रो को सुविधा सम्पन्न बनाये ताकि इनके माध्यम से

कुपोषित तथा क्षय रोग ग्रसित बच्चों को रोग मुक्त किया जा सकें। इस कार्य सभ्रान्त नागरिकों को भी जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन आदि की जानकारी भी नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को सेमिनार आयोजित कर दें ताकि उनके अंदर आत्म विश्वास जागे और वे विभिन्न कार्यक्रमों को अपनी ग्राम सभा में जरूरतमंदों को लाभ देकर विकास कार्यों को गति प्रदान कर सकें। राज्यपाल जी ने कहा कि इन महिलाओं को प्रेरित एवं प्रशिक्षित करने हेतु विश्वविद्यालय की छात्राओं को तैयार किया जाये, ताकि वे समाज में फैली विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से बचने हेतु महिलाओं को जाग्रत कर सके।

कुलाधिपति ने कहा कि पूर्णपारदर्शिता एवं शुचिता के साथ नियुक्ति की जायें तथा नियुक्ति हेतु निर्धारित मापदण्ड़ो का अक्षरशः पालन किया जाये। उन्होंने निर्देश दिया कि शत–प्रतिशत विद्यार्थियों की डिग्री यथाशीघ्र उनके पते पर प्रेषित करें, उचित होगा की डिजीटल लॉकर की व्यवस्था की जाये। राज्यपाल ने महालेखाकार द्वारा निर्धारित ऑडिट आपत्तियों को भी समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी दिशा में वित्तीय अनियमितता नही होनी चाहिए विश्वविद्यालय द्वारा जो भी अग्रिम दिये गये है उनकी नियमानुसार समय से वसूली हो तथा खातों की संख्या भी न्यूनतम रखी जाये तथा कार्मिकों के वेतन से पेंशन के लिये की जा रही अंशदान में कटौती को नियमानुसार खातों में जमा कराना सुनिश्चत करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जो भी निर्माण कार्य चल रहे है उनकी भी कमेटी बनाकर समय–समय पर अनुश्रवण करते रहें।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने नयी शिक्षा नीति, शैक्षिक सत्र, विश्वविद्यालय की आवासीय व्यवस्था, विश्वविद्यालय के लम्बित मुकदमों आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कुलपति को अपने सभी स्टाफ उनके परिजन तथा छात्रों के शत–प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश भी दिये।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी डा0 पंकज जानी, विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

———

राम मनोहर त्रिपाठी/राजभवन(250/37)

2 people entered the waiting room
S K Sachan DE Meerut
FC Laxmi Mishra
Dr. Lokesh Kumar Gangwar
Deepak Sisodia
Dr. B R Singh
FC Laxmi Mishra

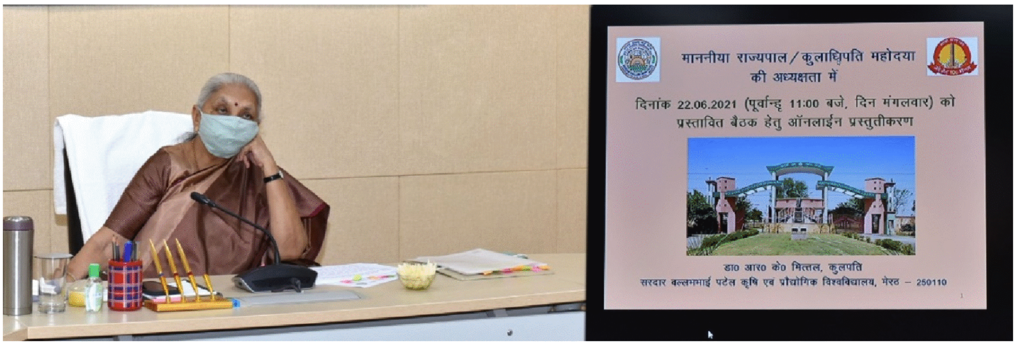
माननीया राज्यपाल / कुलाधिपति महोदया
की अध्यक्षता में
दिनांक 22.06.2021 (पूर्वान्ह् 11:00 बजे, दिन मंगलवार) को
प्रस्तावित बैठक हेतु ऑनलाईन प्रस्तुतीकरण
डा0 आर0 के0 मित्तल, कुलपति
सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ – 250110

6. कोरोना टीकाकरण उत्सव
Staff/Students/NCC/NSS की सक्रिय भागीदारी
National Service Scheme
Prof. G.K. Singh, VC DUVAS
Governor Uttar Pradesh

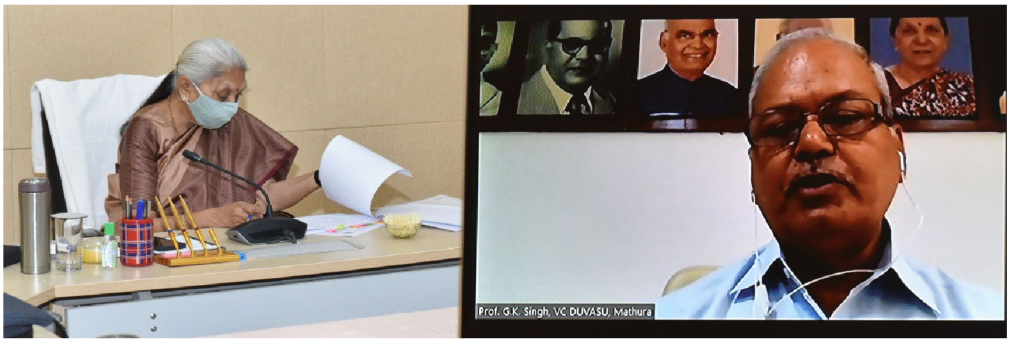
Prof. G.K. Singh, VC DUVASU, Mathura